भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं .1961
08/08/2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

पृथ्वी योजना का कार्यान्वयन

1961. श्रीमती रंजीत रंजन :
श्रीमती जेबी माथेर हीशम:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पृथ्वी विज्ञान (पृथ्वी) योजना की वर्तमान स्थिति क्या है, तथा इस योजना के अंतर्गत कौन-कौन सी विशिष्ट परियोजनाएं शुरू की गई है;
(ख) सरकार पृथ्वी योजना के उद्देश्यों की पूर्ती को सुनिश्चित करने, विशेष रूप से जलवायु पूर्वानुमान की क्षमताओं को बढ़ाने तथा आपदा तैयारियों को सदृढ़ करने के लिए किस प्रकार योजना बना रही है; और
(ग) इस योजना के अंतर्गत आवंटित धनराशि का प्रभावी उपयोग तथा परियोजनाओं का समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पृथ्वी योजना के अंतर्गत पांच सतत उप-योजनाएं शामिल हैं,नामतः

(i) वायुमण्डल एवं जलवायु अनुसंधान-माडलिंग प्रेक्षण प्रणालियां एवं सेवाएं (ACROSS)
(ii) समुद्री सेवाएं, मॉडलिंग, अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (O-SMART)
(iii) ध्रुवीय विज्ञान और हिमांकमंडल अनुसंधान (PACER)
(iv) भूकम्प विज्ञान एवं भू-विज्ञान (SAGE)
(v) अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और आउटरीच (REACHOUT)

इन उप-योजनाओं के तहत विभिन्न अनुसंधान एवं विकास और प्रचालन (सेवाएं) गतिविधियां पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत संबंधित संस्थानों के संयुक्त प्रयासों के माध्यम से एकीकृत तरीके से की जा रही हैं।

(ख) पृथ्वी प्रणाली और परिवर्तन के महत्वपूर्ण संकेतों को रिकॉर्ड करने के लिए वायुमंडल, महासागर, भूमंडल, हिमांक मंडल और ठोस पृथ्वी के दीर्घकालिक प्रेक्षण किए जाते हैं, जो जलवायु पूर्वानुमान की क्षमताओं को बढ़ाने और आपदा से जुड़ी तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में पूर्व आश्यकताएं हैं।

(ग) पृथ्वी योजना के तहत आबंटित निधियों के प्रभावी उपयोग और परियोजनाओं के समय पर निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की अध्यक्षता में मासिक व्यय समीक्षा बैठकें और परियोजना गतिविधियों की छमाही समीक्षा आयोजित की जाती हैं।

*****